Don't think of only Orissa. For the whole country, we have plan now of short-wave linkage from different corners, so that the short-wave beam goes on a longer distance. That is why you can hear Sri Lanka, for example, so clearly. This is the way in which we are going to sort out, both by strengthening both the short-wave transmission within the country and also the medium wave transmission—subject ot availability of resources.

श्री राम सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, आल इन्डिया रेडियो का ब्राडकास्ट राजस्थान दे, इसके लिए आप क्या व्यवस्था करेंगे? मेरे में सुनाई नहीं देता है जब कि पाकिस्तान का ब्राडकास्ट इन नगरोंमे मे सुनाई देता है। आल इंडिया रेडियो का ब्राडकास्ट वहां सुनाई दे, इसके लिए आप क्या व्यवस्था करेंगे ? कई बार आपके माध्यम से यहां लाया गया है लेकिन अभी तक कोई व्यवस्था नहीं हो सकी है ।

एक माननीय सदस्य: नार्थ ईस्टर्न रीजन में भी सुनाई नहीं देता है ।

श्री राम सिंह यादव: यहां का ट्रांस्मीटर बहुत कमजोर है, उसे टीक करने के बारे मे कोई सुनवाई नहीं है । क्या मंत्री जी इसके लिये गम्भीरतापूर्वक सदन में यह आश्वासन देंगे कि कब तक वहां पर आल इंडिया के ब्राडकास्ट सुनाई देने लगेंगे और कब तक यह व्यवस्था हो जायेगी?

श्री वसन्त साठे: मैं गम्भीरतापूर्वक यह आश्वासन दे सकता हूं कि . . . .

अध्यक्ष महोदय: अब तो आपको यकीन आ जाना चाहिये कि गम्भीरतापूर्वक कह रहे हैं।

SHRI VASANT SATHE: Subject to availability of resources, we will try to strengthen the transmission capacity so that all regions are fully covered.

मेरठ, उत्तर प्रदेश में अतिरिक्त उर्वरक संयंत्र स्थापित करना

*438. **श्री हरीश रावत:** क्या **पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके मंत्रालय से मेरठ, उत्तर प्रदेश मे एक अतिरिक्त उर्वरक संयंत्र स्थापित करने हेतु अनुमति मांगी है, और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार की क्या प्रक्रिया है?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. SHIV SHANKAR): (a) The Government of Uttar Pradesh have suggested the setting up of a fertilizer plan in Meerut Division based on naphtha from the Mathura Refinery.

(b) With the setting up of the proposed four gas-based fertilizer plants in Uttar Pradesh, the projected demand of nitrogenous fertilizers in that State by 1980-90 would be fully met. There is, thus, no case for setting up any additional nitrogenous fertilizer plan tin Uttar Pradesh as suggested by the State Government. The Governmen tof Uttar Pradesh have been informed accordingly.

श्री हरीश रावत: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी का आभारी हूं कि उन्होंने हमेशा की तरह मेरे प्रश्न का उत्तर ना में दिया है, लेकिन अब की बार कुछ घुमा फिराकर दिया है। मैं आपके माध्यम से अपना प्रथम सप्लीमेंटरी प्रश्न रखना चाहता हूं ।

MR. SPEAKER: Can't you appreciate his consistency?

श्री हरीश रावत: मैं यह जानना चाहता हूं कि मेरठ और उसके निकटवर्ती क्षेत्र, जिसमे दिल्ली, हरियाणा का भाग भी है, उस एरिया की फर्टिलाइजर की नीट को कंटर करने के लिए उनके पास क्या दूसरा प्रयोजल है?

उत्तर प्रदेश ने तो फथा बेस्ड फर्टिलाइजर प्लांट मेरठ में लगाने का प्रयोजल दिया था, उसके पीछे उनकी इन्फार्मेशन यह है कि जो 4 फर्टिलाइजर प्लान्ट उत्तर प्रदेश में लगने की बात कहते हैं, जो गैस लाइन बिछेगी, वह उन प्रान्तों में पहले बिछेगी, तो इस तरह से उत्तर प्रदेश का नम्बर सबसे आखिर में आता है । उत्तर प्रदेश में बाद में फर्टिलाइजर प्लान्ट लग पायेंगे । जो मंत्री जी ने उत्तर दिया है, मैं नहीं

समझता कि उससे 1989-90 तक उत्तर प्रदेश की नाइट्रोजन फर्टिलाइजर की नीड पूरी हो जायेगी । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वह उत्तर प्रदेश में मथुरा रिफाइनरी से जो नेफ्था निकल रहा है, जो इजीली एवलेबल है, उसके आधार पर वह फर्टिलाइजर प्लान्ट पहले मथुरा में क्यों नहीं लगाते हैं?

श्री मूलचन्द डागा: राजस्थान में क्यों नहीं लगाते?

SHRI P. SHIV SHANKAR: The assumption that gas will flow first to the other States wherefrom the gas pipe-line is laid as a result of which at the tether end, when the gas comes to U.P., it will be totally exhausted, is without any basis.

SHRI HARISH RAWAT: Late.

SHRI P. SHIV SHANKER: I assure the hon. Member that the question of arriving late does not arise. That would be a continuous inflow, as a result of which there would be no question of shortage as contemplated or assumed by the hon. Member. The main question is with reference to the naphtha-based fertiliser plant in Mathura. I have made the position clear that as on today and as the position stands, so far as UP is concerned, 6.79 lakhs tonnes of capability is there and the actual production is 5.15 lakhs tonnes of nitrogen. Now the demand is likely to be increased by 1989-90 to the tune of 16.35 lakhs tonnes, this will be the demand and with these four fertiliser plants with a capacity of 13.6 lakhs tonnes of nitrogen, the production is bound to be 12 lakhs tonnes. This will wholly meet the projected demand of Uttar Pradesh in 1989-90. Therefore, the question of shortage or the question of the assumed inadequate production does not arise.

It is true that there will be a little shortage in Punjab and Haryana regions, but that will be taken care of in a different form. For that one need not ask for the Meerut Division being fed.

One more thing I must explain is that a fertiliser plant based on naptha is costlier as compared to a fertiliser plant based on gas.

श्री हरीश रावत: माननीय मंत्री जी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में 4 फर्टीलाइजर्स प्लान्ट लगाये जायेंगे उन्होंने उसी के आधार यह कहा कि 1989 और 1990 तक उत्तर प्रदेश की फर्टीलाइजर्स की जो नीड होगी, उस को पूरा कर दिया जायेगा । मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि उन के इस आधार का क्या यह मतलब है कि जो फर्टीलाइजर्स प्लांट्स उत्तर प्रदेश में लगाने प्रस्तावित हैं, वह 1989 तक अपना वर्क प्रारंभ कर देंगे । मैं माननीय मंत्री जी को यह जानकारी देना चाहूंगा कि अभी तक स्थान का चयन भी नहीं हुआ है और कोई प्रारंभिक तैयारी अभी तक नहीं हुई । क्या माननीय मंत्री जी इस की सारी डिटेल्स बताने की कृपा करेंगे ।

SHRI P. SHIV SHANKAR: I am confident that by 1989-90 the production will be in full swing and the estimation that I have made that the production from these four fertiliser plants would be **12 lakhs** tonnes of nitrogenous fertiliser would certainly be on.

श्री हरीश रावत: कितना प्रोडक्शन होगा और कब तक ये प्लान्ट लग जाएंगे, एस्टाब्लिश हो जायेंगे?

श्री शिव शंकर: 12 लाख टन प्रोड० शन तक आ जाएगा, यह हमें विश्वास है।

AN HON. MEMBER: It is out of question.

SHRI MOOL CHAND DAGA: Out of question? What are you talking?

Import of Petroleum Products

*439. SHRI CHINTAMANI JENA:
SHRI NAVIN RAVANI:

Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the import of Petroleum products is likely up to during the current year against the earlier estimates; and

(b) if so, by how much and the reasons thereof?